RNI : UAHIN/25/A3210

आवाम इंडिया

हिन्दी साप्ताहिक

मुख्य सचिव ने की पर्यटन विभगा की समीक्षा। पेज 6

वर्षः 01 | अंकः 14 देहरादून, शुक्रवार 17 जुलाई 2026 | मूल्य 2 रुपये | पृष्ठः 8 | www.aawamindia.com

हरेला केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का संकल्पः सीएम

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज परेड ग्राउंड, देहरादून में आयोजित लोक संवर्धन पर्व के अंतर्गत हरेला उत्सव में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने

प्रदेशवासियों को हरेला पर्व की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि हरेला उत्तराखण्ड की लोक परंपराओं का ऐसा महापर्व है, जो समाज के सभी वर्गों को एक सूत्र में जोड़ता है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि प्रदेश का अल्पसंख्यक समाज भी पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ इस पर्व में सहभागी बन रहा है। उन्होंने कहा कि यही उत्तराखण्ड की साझा सांस्कृतिक विरासत और षविविधता में एकताष की भावना का सबसे सशक्त उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक संवर्धन पर्व के माध्यम से राज्य की समृद्ध लोक संस्कृति, परंपराओं और लोक कलाओं को नई पहचान मिल रही है। उन्होंने प्रसिद्ध लोकगायक एवं श्गढ़ रत्नश श्री नरेंद्र सिंह नेगी के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से उत्तराखण्ड की संस्कृति, लोकजीवन, पर्यावरण, महिलाओं के संघर्ष और सामाजिक सरोकारों को देश-दुनिया तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरेला केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का संकल्प है। हमारे पूर्वजों ने जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के महत्व को बहुत पहले समझ लिया था। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रही है, तब उत्तराखण्ड का हरेला पर्व पर्यावरण संरक्षण का वैश्विक संदेश देता है।

उन्होंने कहा कि इसी भावना के अनुरूप राज्य सरकार ने इस वर्ष हरेला पर्व के अवसर पर पूरे प्रदेश में 10 लाख पौधे लगाने का संकल्प लिया है। उनका कहना था कि प्रत्येक पौधा आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का प्रतीक है और विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण के संतुलन को बनाए रखना सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे श्एक पेड़ माँ के नामश अभियान ने पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप दिया है। उन्होंने प्रदेशवासियों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी माता के सम्मान में एक पौधा अवश्य लगाए और उसके वृक्ष बनने तक उसकी देखभाल का संकल्प ले।

उन्होंने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत उत्तराखण्ड में दो करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें अब तक लगभग 1 करोड़ 15 लाख पौधे लगाए जा चुके हैं। यह उपलब्धि जनभागीदारी और पर्यावरण के प्रति प्रदेशवासियों की जागरूकता का परिचायक है।मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक संवर्धन पर्व राज्य के लोक कलाकारों, शिल्पकारों, बुनकरों, हस्तशिल्प विशेषज्ञों तथा पारंपरिक व्यंजनों से जुड़े कारीगरों को प्रोत्साहन देने का महत्वपूर्ण माध्यम है। स्थानीय उत्पादों की खरीद केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि राज्य की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और हजारों परिवारों की आजीविका को मजबूत करने का भी प्रभावी माध्यम है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन लोक कलाकारों और उद्यमियों के लिए नए अवसरों का सृजन करेगा तथा उत्तराखण्ड की समृद्ध लोक संस्कृति को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री खजान दास, मेयर देहरादून सौरभ थपलियाल, प्रसिद्ध लोकगायक नरेंद्र सिंह नेगी, लोक कलाकार, शिल्पकार, विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में मातृशक्ति, युवा और आमजन उपस्थित रहे।

देहरादून में आज राहुल गांधी, छात्रों से करेंगे संवाद

छात्रों की गूंज कार्यक्रम के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज देहरादून आ रहे हैं जहां वो छात्रों से सीधा संवाद करेंगे। कांग्रेस के मुताबिक इस कार्यक्रम के लिए 2.5 लाख से ज्यादा छात्रों ने पंजीकरण कराया है। प्रदेश कांग्रेस इस कार्यक्रम को लेकर काफी गदगद नजर आ रहा है। हालांकि अंतिम समय में परेड ग्राउंड की उपलब्ध ता ना होने के कारण राहुल गांधी के कार्यक्रम को बन्नू स्कूल में आयोजित किया जा रहा है जहां देर शाम व्यवस्थाओं के दौरान लोहे का एक गार्डर गिरने से एक कार्यकर्ता की मृत्यु हो गयी है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी राहुल गांधी के इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए लम्बे समय से जुटी है। गणेश गोदियाल स्वयं ग्राउंड पर कमान संभाले हुए हैं। साथ ही दिल्ली से भी सुरक्षा प्रभारी के नेतृत्व में करीब 40-50

सुरक्षाकर्मियों की टीम आई हुई है। इसके हाथों में राहुल गांधी की सुरक्षा व्यवस्था का जिम्मा है। इस टीम ने बन्नू ग्राउंड के आस-पास के इलाके में भी दौरा किया है। सुरक्षाकर्मियों ने कार्यक्रम स्थल पर अपना मोर्चा संभाला हुआ है। करीब छह ट्रकों में लाए गए सामान को अब सजा दिया गया है और मैदान राहुल गांधी के लिए तैयार हो गया है।

राहुल गांधी छात्रों की गूंज कार्यक्रम के लिए सीधे तौर पर स्टेज से छात्रों को संबोधित करेंगा और उनके साथ संवाद करेंगे। इसके लिए पंडाल में एक तरफ स्टेज तैयार किया गया है जहां सिर्फ राहुल गांधी ही रहेंगे। हालांकि ग्राउंड छोटा है और छात्रों की भीड़ ज्यादा आने की संभावना जतायी जा रही है। इसको देखते हुए पंडाल में छात्रों के लिए स्टैंडिंग की व्यवस्था की गई है।

इस कार्यक्रम में व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी कांग्रेस सेवादल को सौंपी गयी है। सेवादल के कार्यकर्ता छात्रों की मदद के लिए तैयार रहेंगे। कार्यक्रम में छात्रों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो इसके लिए सेवादल ने पेयजल से लेकर कई अन्य चीजों की अतिरिक्त व्यवस्था की है।

कांग्रेस के मुताबिक राहुल गांधी के साथ संवाद करने के लिए लोगों में जिज्ञासा है और इसलिए 2.5 लाख से ज्यादा छात्रों ने पंजीकरण कराया है। हालांकि अब इनमें से कितने लोग पंडाल में पहुंचेंगे यह देखना होगा। कांग्रेस ने पंडाल में पंजीकरण कराने वालों को ही प्रवेश की अनुमति दी जाने की बात कही है। छात्रों को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए हेल्प डेस्क भी बनायी जायेगी और क्यूआर भी लगाए जाएंगे ताकि छात्र कार्यक्रम स्थल पर भी अपना पंजीकरण करा सकें।

सेवा, सुशासन, समर्पण की भावना के साथ सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आज विकासखण्ड मोरी में आयोजित हुआ जन सेवा शिविर

मोरी /उत्तरकाशी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व में सरकार के 5 वर्ष पूर्ण होने की उपलक्ष में श्सेवा, सुशासन एवं समर्पण व जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वारश अभियान के तहत आज विकासखण्ड कार्यालय मोरी में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत जन सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर मे शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाया गया तथा नागरिकों की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया गया।

इस दौरान पशुपालन विभाग द्वारा फिताड़ी अग्निकांड के 08 पीड़ित परिवारों को तीस हजार प्रति परिवार की राहत सहायता के चेक मौके पर ही वितरित किए गए।अन्य पीड़ितों के चेक भी उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की गयी।

जन सेवा शिविर में विधायक पुरोला दुर्गेश्वर लाल, उपजिलाधिकारी मुकेश चंद रमोला की उपस्थिति में ग्रामीणों की विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याएं को सुना। प्राप्त 13 प्रकरणों में से 08 का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शिविर में प्रमुख शिकायतों में भूमि पर अवैध कब्जा, शौचालय निर्माण भुगतान, प्रधानमंत्री आवास योजना में जारी सूची की शिकायत, विद्युत बिल संबधी, जल जीवन मिशन से संबंधित आदि समस्याओं को सुनकर उनके निस्तारण की कार्यवाही की गई।

पुरोला विधायक दुर्गेश्वर लाल ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के सफल नेतृत्व में हमारी सरकार के 5 वर्ष पूरे होने पर उत्तराखंड सुशासन के नए आयाम स्थापित कर रहा है। हमारा संकल्प है कि हर योजना का लाभ अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुँचे।

शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा 42 और आयुष विभाग द्वारा 35 लोगो का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया एवं आवश्यक दवाइयां वितरित की गई। बाल विकास विभाग द्वारा 03 महालक्ष्मी किट का वितरण करते हुए 21 लोगों को योजनाओं की जानकारी प्रदान की। पशुपालन विभाग द्वारा 08 लाभार्थियों को चेक वितरित करते हुए 46 लोगों को योजनाओं की जानकारी दी गई। राजस्व विभाग द्वारा 26 , सहकारिता विभाग द्वारा 15, उद्यान विभाग द्वारा 18 किसानों को उद्यान कार्ड पंजीकरण, कृषि विभाग द्वारा 24, समाज कल्याण विभाग द्वारा 15, उद्योग विभाग द्वारा 10, ग्राम्य विकास विभाग द्वारा 37, विद्युत विभाग द्वारा 08 लोगों को विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान कर लाभान्वित किया गया। एनआरएलएम द्वारा 20, पंचायतीराज विभाग द्वारा 06 लोगों को लाभान्वित किया गया। बैंकिंग में एसबीआई द्वारा 18 लोगो को ऋण, बीमा आदि जानकारी उपलब्ध कराई गई।

जिलाधिकारी प्रशांत आर्य के निर्देशन में आयोजित शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा अपने विभागों से संबंधित योजनाओं के स्टॉल लगाकर जानकारी प्रदान करते हुए पात्र लाभार्थियों के आवेदन प्राप्त किए। इस दौरान पेंशन, आयुष्मान भारत, राशन कार्ड, आधार अपडेट, कृषि, उद्यान, पशुपालन, स्वास्थ्य, ग्राम्य विकास, स्वरोजगार एवं अन्य योजनाओं से संबंधित समस्याओं का समाधान और जानकारी उपलब्ध कराई गई।शिविर में विधायक पुरोला दुर्गेश्वर लाल, शमशेर सिंह बिष्ट उपाध्यक्ष पूर्व सैनिक कल्याण परिषद, कनिष्ठ प्रमुख कमलेश रावत, जिला पंचायत सदस्य पवन दास, मंडल अध्यक्ष राजीव कुंवर, प्रेम सिंह चौहान, सुखदेव राणा, उपजिलाधिकारी मुकेश चंद रमोला, सीवीओ एचएस बिष्ट, नोडल अधिकारी विनायक श्रीवास्तव, बीडीओ मोरी सहित जनप्रतिनिधि, ग्रामीण एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

हरेला पर्व पर हरियाली का संकल्प : जिलाधिकारी

देहरादून। उत्तराखण्ड राज्य के लोकपर्व हरेला के पावन अवसर पर जिलाधिकारी डॉ0 आशीष चौहान ने कलेक्ट्रेट परिसर में विधिवत पूजा-अर्चना के उपरांत वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित उत्तराखण्ड का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ पौधे लगाकर सभी जनपदवासियों से अधिकाधिक पौधारोपण करने तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। जिलाधिकारी ने कहा कि हरेला केवल एक पारंपरिक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति, पर्यावरण और जीवन के प्रति हमारी आस्था, संवेदनशीलता एवं जिम्मेदारी का प्रतीक है। उत्तराखण्ड की समृद्ध लोक संस्कृति सदैव प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व का संदेश देती रही है और हरेला पर्व इसी परंपरा का जीवंत उदाहरण है।उन्होंने कहा कि वृक्ष पृथ्वी की अमूल्य धरोहर हैं। स्वच्छ वायु, जल संरक्षण, जैव विविधता के संरक्षण तथा संतुलित पर्यावरण के लिए वृक्षों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वर्तमान समय में जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण एवं प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ते दबाव को देखते हुए प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह पौधारोपण को केवल एक औपचारिक कार्यक्रम न मानकर जन-आंदोलन का स्वरूप प्रदान करे।डॉ0 चौहान ने कहा कि पौधारोपण तभी सार्थक होगा जब लगाए गए पौधों का नियमित संरक्षण एवं संवर्धन भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से अपने जीवन में कम-से-कम एक पौधा लगाने तथा उसकी देखभाल की जिम्मेदारी निभाने का आग्रह करते हुए कहा कि यही प्रयास आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं हरित पर्यावरण प्रदान करने का आधार बनेगा।उन्होंने कहा कि हरेला पर्व हमें पर्यावरण संरक्षण, प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन और हरित संस्कृति को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देता है। यह पर्व प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के साथ-साथ पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने का भी संदेश देता है। उन्होंने सभी जनपदवासियों से अपील की कि वे इस अवसर पर अधिक से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाएं तथा दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।कार्यक्रम के दौरान कलेक्ट्रेट परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया। उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पर्यावरण संरक्षण, पौधों के संरक्षण तथा हरित वातावरण के निर्माण का सामूहिक संकल्प लिया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) के.के. मिश्रा, नगर मजिस्ट्रेट राकेश तिवारी सहित कलेक्ट्रेट के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

चंपावत मे स्वतंत्रता सेनानी सदन निर्माण हेतु मुख्यमंत्री से बजट स्वीकृत की मांग -अवधेश पन्त

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विधानसभा क्षेत्र चंपावत के अंतर्गत ग्राम धूरा के चौड़ाकोट में स्वतंत्रता सेनानी परिवार के कर्मठ सहयोगी महेश चौड़ाकोटी के अथक प्रयास से क्षेत्र के सात स्वतंत्रता सेनानियों की मूर्ति स्थापित करवा स्मारक का निर्माण हुआ था जिसको भव्यता प्रदान करने हेतु सौंदर्य करण का कार्य शुरू किया गया जिसके लिए 20 लाख रुपए की धनराशि आवंटित हुई उक्त सूक्ष्म धनराशि से स्थल समतलीकरण एवं मात्र पिलर खड़े करने का कार्य ही हो सका जिससे राष्ट्रीय पर्वों पर होने वाले ध्वजारोहण कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह बाधित होने लगे श्री चौड़ाकोटी द्वारा समय-समय पर विभिन्न प्रयास किए गए ज्ञात हो कि स्थल की भव्यता एवं विशाल भवन निर्माण हेतु मुख्यमंत्री द्वारा भी घोषणा की गई जिसके सापेक्ष लोक निर्माण विभाग द्वारा एक करोड़ 63 लाखका एस्टीमेट बनाकर स्वीकृति हेतु शासन को भेज दिया गया है बजट स्वीकृति में देरी के कारण क्षेत्र के स्वतंत्रता सेनानी परिवारों में रोष व्याप्त हैअखिल भारतीय स्वतंत्रता सेनानी एवं शहीद परिवार कल्याण महा परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अवधेश पन्त ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पत्र लिखकर मांग की कि महान स्वतंत्रता सेनानियों के स्मारक एवं भवन निर्माण हेतु अविलंब बजट स्वीकृति के आदेश पारित कर देश के महान शहीद/ स्वतंत्रता सेनानियों को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करें साथ ही श्री पन्त ने उनके द्वारा पूर्व में मा.मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान दिए गए मांग पत्र का संज्ञान लेते हुए देहरादून में नवनिर्मित उत्तराखंड स्वतंत्रता सेनानी सदन का नाम नेताजी सुभाष चंद्र बोस सदन के नाम की घोषणा 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर करने की मांग की !

मानसून आपदा से निपटने को रेडक्रॉस उत्तराखंड अलर्ट, जिला शाखाओं के साथ की बैठक

देहरादून। मानसून के दौरान संभावित प्राकृतिक आपदाओं को देखते हुए भारतीय रेडक्रॉस समिति, उत्तराखंड राज्य शाखा ने सभी जिला इकाइयों को राहत एवं बचाव कार्यों के लिए पूरी तरह तैयार रहने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में राज्य शाखा की एक वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। जिसमें विभिन्न जिलों के पदाधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की स्थिति और राहत तैयारियों की जानकारी साझा की।

बैठक में कहा गया कि प्रत्येक जिला शाखा अपने यहां उपलब्ध राहत सामग्री का आकलन कर आवश्यकता होने पर राज्य शाखा को तत्काल मांग भेजे, ताकि प्रभावित क्षेत्रों में समय पर सहायता पहुंचाई जा सके। विभिन्न जिलों से भारी बारिश से हुए नुकसान और अतिरिक्त राहत सामग्री की आवश्यकता भी बैठक में रखी गई।राज्य शाखा ने निर्णय लिया कि उपलब्ध राहत सामग्री को प्राथमिकता के आधार पर प्रभावित जिलों तक भेजा जाएगा। साथ ही राष्ट्रीय मुख्यालय से टारपोलिन, कंबल, स्वच्छता किट और अन्य आवश्यक राहत सामग्री उपलब्ध कराने के लिए भी मांग भेजी गई है।बैठक की अध्यक्षता कर रहे राज्य शाखा के चेयरमैन ओंकार बहुगुणा ने कहा कि उत्तराखंड आपदा की दृष्टि से संवेदनशील राज्य है और रेडक्रॉस के स्वयंसेवक मानवीय सेवा की भावना से बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों तक राहत पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने सभी जिला शाखाओं से मानसून के दौरान समन्वय और तत्परता के साथ कार्य करने का आह्वान किया।बैठक में चमोली चेयरमैन ओमप्रकाश डोभाल,बागेश्वर चेयरमैन इंद्र सिंह, चंपावत चेयरमैन राजेंद्र गहतोड़ी, पौड़ी चेयरमैन गणेश कुगसाल, टिहरी चेयरमैन अब्दुल अतीक, बागेश्वर आलोक पांडे, देहरादून सचिव कल्पना बिष्ट, वाइस चेयरमैन मनोज सनवाल तथा राज्य मैनेजिंग कमेटी के सदस्य अजय सेमवाल, प्रेम बल्लभ भट्ट, दीपक पाठक कैलाश पैन्यूली, उप सचिव डॉ हरीश चंद्र शर्मा आदि मौजूद रहे।

बहुउद्देशीय शिविर में विभिन्न विभागों ने दी योजनाओं की जानकारी, लाभार्थियों को मिला लाभ

बागेश्वर। राज्य सरकार के श्सेवा, सुशासन एवं समर्पणश तथा श्जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वारश अभियान के अंतर्गत सोमवार को विकासखंड गरुड़ के राजकीय इंटर कॉलेज, ग्राम मैगड़ी स्टेट में सेवा पखवाड़ा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों पर ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई गई तथा पात्र लाभार्थियों को विभिन्न सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ दिया गया। साथ ही जनसमस्याओं एवं शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया तथा विभिन्न प्रमाण-पत्रों एवं अन्य सेवाओं से संबंधित आवेदन भी प्राप्त किए गए। शिविर में कुल 362 लोगों ने प्रतिभाग किया, जिनमें से 302 लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। शिविर के दौरान 11 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनका संबंधित विभागों द्वारा मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। विभिन्न प्रमाण पत्रों के लिए 34 आवेदन भी प्राप्त किए गए, जिन्हें नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई हेतु संबंधित विभागों को प्रेषित किया गया।

कांवड़ मेला-2026 की तैयारियां युद्धस्तर पर, 25 जुलाई तक सभी कार्य पूर्ण करने के DM-SSP के निर्देश

हरिद्वार । आगामी कांवड़ मेला-2026 को सकुशल और व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मंगलवार को जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर ने मेला क्षेत्र के विभिन्न स्थलों का संयुक्त स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं और निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान क्डैच ने मनसा देवी हिल बाईपास, मोतीचूर, भूपतवाला, सप्तऋषि आश्रम, पंतद्वीप, लालजीवाला, चंडी चौक, नजीबाबाद रोड, गौरीशंकर और नमामि गंगे घाट सहित प्रमुख स्थानों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने कांवड़ यात्रा मार्ग, भीड़ प्रबंधन, यातायात संचालन, सड़क मरम्मत, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, स्वच्छता और अन्य मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का अवलोकन किया।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा मार्ग को पूर्णतः सुरक्षित, सुगम और गड्ढामुक्त बनाया जाए। जहां मरम्मत या निर्माण कार्य चल रहे हैं उन्हें प्राथमिकता पर शीघ्र पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि मेले में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना है, इसलिए प्रत्येक विभाग अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन गंभीरता और समन्वय के साथ करे।क्ड ने भीड़ प्रबंधन और ट्रैफिक प्रबंधन को मेले की सफलता का आधार बताते हुए संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त बैरिकेडिंग, डायवर्जन और सूचना संकेतक लगाने के निर्देश दिए। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को संयुक्त रूप से नियमित भ्रमण कर व्यवस्थाओं की सतत निगरानी करने को कहा गया।जिलाधिकारी ने सभी विभागों को 25 जुलाई तक सभी आवश्यक व्यवस्थाएं और निर्माण कार्य युद्धस्तर पर पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि समयबद्धता और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा और हर विभाग दैनिक समीक्षा करेगा।

निरीक्षण में क्ड ने सीवर लाइन निर्माण और रिंग रोड परियोजना के कार्यों की भी समीक्षा की। कार्यदायी संस्थाओं को गुणवत्ता के साथ समय सीमा में कार्य पूर्ण करने और निर्माण के दौरान कांवड़ मार्ग पर अवरोध न उत्पन्न होने देने के निर्देश दिए। आवश्यकता पड़ने पर वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने को भी कहा गया।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह भुल्लर ने कहा कि मेले के दौरान सुरक्षा, कानून-व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण और यातायात संचालन की कार्ययोजना समय से पूर्ण की जाए। संवेदनशील स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, सतत निगरानी और त्वरित प्रतिक्रिया व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित यात्रा का अनुभव मिले।

निरीक्षण के दौरान एसपी ट्रैफिक निशा यादव, एसपी सिटी अभय प्रताप सिंह, अपर जिलाधिकारी जितेंद्र कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट हर गिरी, उप जिलाधिकारी योगेश मेहरा, सीओ ट्रैफिक बिपेंदर सिंह सहित एनएचएआई और अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मंगलौर हत्याकांड का पासा पलटा: मृतक के दोस्त ही निकले आरोपी, 3 गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त तमंचा बरामद

मंगलौर । दूसरों के लिए गड्ढा खोदने वाले खुद उसी गड्ढे में गिरते हैं - ये कहावत मंगलौर के बूढपुर जट्ट गांव में सच साबित हुई। यहां पुरानी रंजिश में फंसाने के लिए रची गई साजिश नाकाम हो गई और मृतक के दोस्त ही हत्या के आरोपी बनकर पुलिस की गिरफ्त में आ गए।आपको बता दे कि दिनांक 11.07.2026 की शाम को सूचना मिली कि ग्राम बूढपुर जट्ट में एक खेत में सौरभ पुत्र राजेन्द्र उम्र 24 वर्ष निवासी बूढपुर जट्ट को गोली लगी है। सूचना पर पुलिस ने घायल को अस्पताल भेजा, जहां कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई।इस संबंध में मृतक के पिता राजेन्द्र कुमार ने कोतवाली मंगलौर में रोबिन, अनुज और प्रदुमन के खिलाफ तमंचे से गोली मारकर हत्या करने का मुकदमा धारा 103(1), 351(2) ठछै में दर्ज कराया। आरोप था कि इन तीनों ने गोली मारकर सौरभ की हत्या की है।घटना उत्तराखंड-उत्तर प्रदेश सीमा से लगी होने के कारण क्च हरिद्वार के आदेश पर क्च ग्रामीण और ब्ब मंगलौर के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक भगवान महर के नेतृत्व में टीम गठित की गई। जांच में 112 पर सूचना देने वाले और चश्मदीदों के बयान विरोधाभास कर रहे थे। गहन पूछताछ में सच्चाई सामने आई।

पुलिस के अनुसार मृतक सौरभ और उसके दो साथी जो ग्राम शकरपुर थाना पुरकाजी न्च के रहने वाले हैं उनका आरोपी पक्ष से पुराना झगड़ा था। 11 जुलाई को ये तीनों ग्राम मोहम्मदपुर जट्ट से तमंचा लेकर बूढपुर जट्ट में झगड़े के इरादे से आए थे। इसी दौरान तमंचा चेक करते समय गोली चल गई और सौरभ को लग गई। पुलिस से बचने के लिए दोस्तों ने साजिश रची और पुराने विरोधियों रोबिन, अनुज, प्रदुमन का नाम हत्या में फंसा दिया।

3 गिरफ्तार, तमंचा बरामदष

पुलिस ने मौके पर मौजूद 2 लोगों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में पूरी साजिश सामने आने के बाद हत्या की धारा को गैर इरादतन हत्या में तरमीम किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्तः

1. सुमित पुत्र सुखबीर निवासी शकरपुर थाना पुरकाजी, न्च
2. डिम्पल पुत्र नाहर निवासी ग्राम मोहम्मदपुर जट्ट, मंगलौर
3. आशीष पुत्र बिन्दर निवासी ग्राम मोहम्मदपुर जट्ट, मंगलौर

बरामदगीः 1 अदद 12 बोर तमंचा मय खोखा कारतूस और मृतक की पेंटष्आपराधिक इतिहास

- सुमितः पुरकाजी में आर्म्स एक्ट और आगजनी के 2 मुकदमे
- डिम्पलः सिडकुल में धारा 401 का मुकदमा.पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।

पुलिस टीम में शामिल प्रभारी निरीक्षक भगवान महर, व0उ0नि0 सुखपाल सिंह मान, उ0नि0 आनन्द मेहरा और अन्य कर्मी शामिल रहे।

पिरान कलियर दरगाह में बिना अनुमति समिति पंजीकरण का मामला, प्रबंधन ने 3 कर्मचारियों को थमाया कारण बताओ नोटिस

पिरान कलियर । विश्व प्रसिद्ध दरगाह हजरत साबिर पाक, पिरान कलियर में बिना अनुमति के समिति पंजीकरण कराने के मामले में दरगाह प्रबंधन ने सख्त रुख अपनाया है। तहसीलदार एवं दरगाह प्रबंधक विकास अवस्थी ने दरगाह में तैनात तीन सेवकों को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिन में लिखित स्पष्टीकरण मांगा है।कार्यालय वक्फ दरगाह पिरान कलियर से जारी पत्रांक 232/व0द0प0क0/2026-27 के अनुसार नोटिस मुनीश अहमद, गुलाम दस्तगीर और सलीम अहमद को भेजा गया है। आरोप है कि इन तीनों ने रजि0 संख्या UK0680892022413756 के द्वारा अंजुमन-ए-खुद्दाम-ए-आस्ताना साबिर पाक के नाम से एक समिति/यूनियन पंजीकृत कराई है।

नोटिस में दिए गए विवरण के मुताबिक इस समिति में खादिम सलीम अहमद साबरी को अध्यक्ष, खादिम मुनीश उर्फ पप्पू को उपाध्यक्ष और खादिम गुलाम दस्तगीर को सचिव बनाया गया है।

प्रबंधन ने उठाए ये सवाल

दरगाह प्रबंधक ने नोटिस में तीनों से पूछा है किः

1. उक्त समिति को पंजीकृत कराने से पूर्व क्या दरगाह प्रबंधन/प्रशासन या उच्चाधिकारियों से अनुमति ली गई थी?
2. दरगाह साबिर पाक के नाम का उपयोग करने के लिए सक्षम स्तर से अनुमति प्राप्त की गई थी या नहीं?

आर्थिक और छवि को नुकसान की आशंका प्रबंधन ने कहा है कि इस कृत्य से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से दरगाह प्रबंधन को आर्थिक हानि होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। साथ ही तीनों सेवक दरगाह प्रबंधन में विभिन्न कार्यों का निर्वहन कर रहे हैं, ऐसे में उनके इस कृत्य से दरगाह प्रबंधन की छवि धूमिल हुई है।नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि तीन दिन के भीतर संतोषजनक उत्तर न मिलने की स्थिति में उनके खिलाफ नियमानुसार विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इसके लिए वे स्वयं उत्तरदायी होंगे।

इस पत्र की प्रतिलिपि जिलाधिकारी हरिद्वार, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रुड़की और मुख्य कार्यकारी अधिकारी उत्तराखंड वक्फ बोर्ड देहरादून को भी सूचनार्थ भेजी गई है।

सोलानी पुल पर ट्रैक्टर-कार की भिड़ंत, घंटों लगा जाम, यात्री परेशान

रूड़की । शहर के व्यस्त सोलानी पुल पर एक ट्रैक्टर और हुंडई कार के आमने-सामने फंस जाने से घंटों तक भीषण जाम लग गया। संकरी सड़क पर दोनों वाहन निकल नहीं पाए, जिससे पुल के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।घटना दोपहर करीब 1 बजे की है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रैक्टर के टायर की चपेट में आने से हुंडई कार का दाहिना हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कार मालिक ने वाहन को लगभग घ्20,000 का नुकसान बताया है।भीषण गर्मी के कारण जाम में फंसे वाहन चालकों और राहगीरों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई लोग कड़ी धूप में पैदल ही अपने गंतव्य की ओर रवाना हुए। घंटों तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा।सूचना पर मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद दोनों वाहनों को हटाया गया, जिसके बाद धीरे-धीरे यातायात सामान्य हो सका।फिलहाल घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। पुलिस नुकसान और दुर्घटना के कारणों की जानकारी जुटा रही है।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत एनसीसी कैडेट्स ने किया पौधरोपण

रूड़की । 84 उत्तराखंड बटालियन एनसी के तत्वावधान में क्वांटम विश्वविद्यालय, मंडावर में चल रहे दस दिवसीय वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के अंतर्गत मंगलवार को ष्एक पेड़ माँ के नामष अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ कैम्प कमांडेंट कर्नल जगदीश अलमिया और क्वांटम विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. अमित दीक्षित ने किया।

कर्नल अलमिया ने कहा कि यदि हर व्यक्ति अपनी माँ के सम्मान में एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ पर्यावरण मिल सकता है।

इस दौरान बाँस, जामुन, आम, अमरूद और लीची के पौधे लगाए गए। डिप्टी कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल अमन कुमार सिंह, कैम्प एडजुटेंट कैप्टन सुशील आर्य सहित बड़ी संख्या में कैडेट्स ने भाग लिया।

कर्नल अलमिया ने कहा कि एनसी का उद्देश्य युवाओं को अनुशासित बनाने के साथ पर्यावरण और राष्ट्र निर्माण के प्रति जागरूक करना भी है।

सम्पादकीय

लोक संस्कृति और हरेला

उत्तराखंड की पहचान केवल हिमालय, नदियों और देवस्थलों से ही नहीं है, बल्कि यहां की समृद्ध लोक संस्कृति और प्रकृति के प्रति गहरे सम्मान से भी है। हमारे पर्व केवल उत्सव नहीं, बल्कि जीवन मूल्यों, सामाजिक चेतना और प्रकृति के साथ संतुलित सह-अस्तित्व की जीवंत अभिव्यक्ति हैं। इन्हीं लोकपर्वों में हरेला उत्तराखंड की सांस्कृतिक चेतना, पर्यावरणीय संवेदनशीलता और लोकजीवन का एक महत्वपूर्ण प्रतीक है। 'हरेला' का अर्थ ही हरियाली, नवजीवन और समृद्धि है। पारंपरिक रूप से यह पर्व कुमाऊँ अंचल में विशेष उत्साह के साथ मनाया जाता रहा है, किंतु आज यह पूरे उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान बन चुका है। वर्षा ऋतु के आगमन, कृषि चक्र के शुभारंभ और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का यह पर्व हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखता है। हरेला के साथ अनेक लोकमान्यताएँ और सांस्कृतिक परंपराएँ जुड़ी हुई हैं। मान्यता है कि यह पर्व भगवान शिव और माता पार्वती के पावन मिलन तथा सृष्टि में हरियाली और उर्वरता के विस्तार का प्रतीक है। कृषि प्रधान समाज में इसे नई फसल और नए जीवन चक्र के शुभारंभ के रूप में भी देखा जाता है। हरेला से नौ या दस दिन पूर्व घरों में मिट्टी से भरे पात्रों में गेहूँ, जौ, मक्का अथवा धान के बीज बोए जाते हैं। पर्व के दिन अंकुरित हरियाली को परिवार के बड़े सदस्य छोटे सदस्यों के सिर पर रखकर उनके सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु का आशीर्वाद देते हैं। यह परंपरा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति और परिवार दोनों के प्रति हमारी आस्था का प्रतीक है। उत्तराखंड के पर्वतीय जीवन में जंगल, जल और जमीन केवल संसाधन नहीं रहे हैं, बल्कि हमारी संस्कृति, आजीविका और अस्तित्व का आधार रहे हैं। यही कारण है कि हरेला हमें प्रकृति के संरक्षण का संदेश देता है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि यदि प्रकृति सुरक्षित रहेगी, तभी हमारा भविष्य भी सुरक्षित रहेगा। हरेला के अवसर पर गाए जाने वाले लोकगीत, पारंपरिक रीति-रिवाज और सामूहिक आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का कार्य करते हैं तथा सामाजिक एकता को भी सुदृढ़ बनाते हैं। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय असंतुलन और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है, तब हरेला का महत्व और भी बढ़ जाता है। इस लोकपर्व ने समय के साथ स्वयं को केवल एक सांस्कृतिक परंपरा तक सीमित नहीं रखा, बल्कि जनभागीदारी आधारित पर्यावरण संरक्षण के एक प्रभावी अभियान का स्वरूप भी ग्रहण किया है।

समुद्र की लहरों पर दौड़ती भारतीय शक्ति को पूरी दुनिया सलाम करती है

भारतीय नौसेना की युद्धक क्षमता को नई ऊंचाई देते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विशाखापत्तनम में स्वदेशी स्टील्थ युद्धपोत आईएनएस महेंद्रगिरि को पूर्वी बेड़े में शामिल किया। प्रोजेक्ट सत्रह ए के तहत निर्मित यह छठा और अंतिम स्टील्थ युद्धपोत सिर्फ एक नया जहाज नहीं, बल्कि जैसे दायित्व भी यह समान दक्षता से निभा सकता है। पूर्वी घाट की महेंद्रगिरि पर्वतमाला के नाम पर रखे गए इस युद्धपोत के प्रतीक चिह्न में दर्शाया गया शिकरा पैनी दृष्टि, धैर्य और निर्णायक प्रहार का प्रतीक है, जो इसकी युद्धक भूमिका को भी प्रतिबिंबित करता है।

समुद्री शक्ति, स्वदेशी रक्षा निर्माण और सामरिक आत्मनिर्भरता का सशक्त प्रतीक है। महेंद्रगिरि के नौसेना में शामिल होने के साथ ही भारत ने स्पष्ट संदेश दिया है कि वह केवल अपनी समुद्री सीमाओं की रक्षा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि दूरस्थ समुद्री क्षेत्रों में भी अपने हितों की प्रभावी सुरक्षा करने में पूरी तरह सक्षम है।

हम आपको बता दें कि करीब छह हजार छह सौ सत्तर टन वजन और अट्ठाइस नॉट की अधिकतम गति वाला यह बहुउद्देशीय युद्धपोत आधुनिक समुद्री युद्ध की हर चुनौती से निपटने के लिए तैयार किया गया है। इसमें रडार पर कम दिखाई देने वाली स्टील्थ क्षमता, अत्याधुनिक स्वचालित प्रणालियां, हमलों को झेलने की बेहतर क्षमता और पचहत्तर प्रतिशत से अधिक स्वदेशी उपकरण लगाए गए हैं। इसे ब्रह्मोस प्रहारक मिसाइल, लंबी दूरी की वायु रक्षा प्रणाली, बहुउद्देशीय रडार, पनडुब्बी रोधी रक्षा प्रणाली, टारपीडो प्रक्षेपक, स्वदेशी रॉकेट प्रक्षेपक तथा उन्नत इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली से लैस किया गया है। यही कारण है कि यह हवा, समुद्र की सतह और समुद्र के भीतर छिपे दुश्मनों पर एक साथ प्रभावी प्रहार करने में सक्षम है। हम आपको बता दें कि महेंद्रगिरि को ब्लू वाटर युद्धपोत की श्रेणी में रखा गया है। इसका अर्थ है कि यह केवल तटीय सुरक्षा तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि हजारों किलोमीटर दूर गहरे समुद्र में कई सप्ताह तक लगातार अभियान चलाने की क्षमता रखता है। खोज और बचाव अभियान, मानवीय सहायता, आपदा राहत, समुद्री सुरक्षा तथा हिंद महासागर क्षेत्र में लंबी तैनाती

देखा जाये तो महेंद्रगिरि का सामरिक महत्व केवल इसकी मारक क्षमता तक सीमित नहीं है। हिंद महासागर आज विश्व व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और सामरिक प्रतिस्पर्धा का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र बन चुका है। ऐसे समय में भारत के पास जितने अधिक आधुनिक और दूर तक अभियान चलाने वाले युद्धपोत होंगे, उतनी ही मजबूत उसकी समुद्री प्रतिरोधक क्षमता होगी। यह युद्धपोत समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा, शत्रु की गतिविधियों पर निगरानी, पनडुब्बियों की खोज और आवश्यकता पड़ने पर त्वरित जवाबी कार्रवाई में निर्णायक भूमिका निभाएगा। इससे हिंद महासागर और हिंद प्रशांत क्षेत्र में भारत की स्थिति एक भरोसेमंद सुरक्षा साझेदार के रूप में और मजबूत होगी।

हम आपको यह भी बता दें कि हाल के महीनों में भारतीय नौसेना का विस्तार अभूतपूर्व गति से हुआ है। 21 जून 2026 को एक साथ तीन महत्वपूर्ण पोत नौसेना में शामिल किए गए थे। इनमें आईएनएस दुनागिरि स्टील्थ युद्धपोत, आईएनएस संशोधक गहरे समुद्र का सर्वेक्षण पोत और आईएनएस अग्रय पनडुब्बी रोधी युद्धपोत शामिल हैं। इसके पहले 31 मार्च 2026 को आईएनएस मालवन को शामिल किया गया, जबकि साल 2025 में बहुउद्देशीय स्टील्थ युद्धपोत आईएनएस तमाल भी नौसेना का हिस्सा बना। अब महेंद्रगिरि के शामिल होने से भारतीय नौसेना की मारक क्षमता, निगरानी शक्ति और समुद्री उपस्थिति पहले से कहीं अधिक सुदृढ़ हो गई है। भौगोलिकसंदर्भ

यदि दस वर्ष पहले की तुलना करें तो भारतीय नौसेना में उल्लेखनीय परिवर्तन दिखाई देता है। तब अधिकांश प्रमुख युद्धपोतों और हथियार प्रणालियों के लिए विदेशी निर्भरता अधिक थी, जबकि आज स्वदेशी डिजाइन, निर्माण और अत्याधुनिक हथियारों से लैस युद्धपोत तेजी से बेड़े में शामिल हो रहे हैं। विमानवाहक पोत, आधुनिक विध्वंसक, स्टील्थ युद्धपोत, पनडुब्बी रोधी पोत, सर्वेक्षण पोत, उन्नत प्रहारक मिसाइल और स्वदेशी रक्षा प्रणालियों ने नौसेना की शक्ति को कई गुना बढ़ा दिया है। इस तरह अब भारत केवल समुद्री सुरक्षा करने वाला देश नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र में शक्ति संतुलन बनाए रखने वाली महत्वपूर्ण समुद्री ताकत के रूप में उभर चुका है।

साथ ही महेंद्रगिरि का नौसेना में शामिल होना इस बात का प्रमाण है कि आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना अब केवल नारा नहीं, बल्कि समुद्र की लहरों पर दौड़ती वास्तविक शक्ति बन चुकी है। यह युद्धपोत आने वाले वर्षों में भारत की समुद्री सुरक्षा का मजबूत प्रहरी बनने के साथ साथ स्वदेशी रक्षा निर्माण की सफलता का भी सबसे प्रभावशाली उदाहरण साबित होगा।

उत्तरकाशी सिल्क्यारा टनल बड़ा हादसा : श्रमिक की मौत

उत्तरकाशी। सिल्क्यारा टनल में हादसा, शॉटक्रीट लाइनिंग का ब्लॉक गिरने से कार्मिक की जान गई, डीएम ने तत्काल घटना का संज्ञान लिया। उत्तरकाशी सिल्क्यारा टनल में गुरुवार तड़के बड़ा हादसा हो गया बड़कोट साइड से करीब 900 मीटर अंदर शॉटक्रीट लाइनिंग का ब्लॉक गिरने से झारखंड निवासी 21 वर्षीय एक श्रमिक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना की जांच एन एचआई डी सी एल द्वारा की जा रही है। दुर्घटना के कारणों की आधिकारिक पुष्टि जांच रिपोर्ट के बाद होगी। सिल्क्यारा टनल घटना के बाद जिलाधिकारी प्रशांत आर्य के निर्देश पर उपजिलाधिकारी (बड़कोट) बृजेश तिवारी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने एचआईडीसीएल अधिकारियों, कार्मिकों एवं श्रमिकों से बातचीत कर घटना की जानकारी ली।

जनसमस्या निवारण एवं बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन

चम्पावत। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार संचालित श्सेवा पखवाड़ाश् के अंतर्गत श्जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वारश अभियान के तहत विकासखंड

बाराकोट की ग्राम पंचायत मऊ स्थित राजकीय इंटर कॉलेज मऊ में जनसमस्या निवारण एवं बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार ने की। इस अवसर पर ग्राम प्रधान मऊ श्रीमती तुलसी देवी ने जिलाधिकारी का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। शिविर में दर्जा राज्य मंत्री श्री श्याम नारायण पाण्डेय, ब्लॉक प्रमुख श्रीमती सीमा आर्या, पूर्व विधायक लोहाघाट पूरन फर्त्याल, प्रदेश मंत्री भाजपा श्री निर्मल सिंह माहरा सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि सेवा पखवाड़ा का उद्देश्य प्रशासन को गांव-गांव तक पहुंचाकर आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने राजकीय इंटर कॉलेज मऊ की कक्षा 12 की छात्रा कुमारी ज्योति को गुलदार से अपने परिवार की रक्षा करने के साहसिक कार्य के लिए वीरता पुरस्कार प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। शिविर के दौरान ग्राम चमरौली की गंगा देवी ने आधार कार्ड नहीं बनने की शिकायत दर्ज कराई, जिस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र आधार कार्ड निर्गत कराने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत मऊ के कल्याण सिंह द्वारा पेंशन नहीं मिलने की समस्या उठाने पर समाज कल्याण विभाग को आवश्यक दस्तावेज शीघ्र पूर्ण कर पेंशन स्वीकृत कराने के निर्देश दिए गए।

वहीं दुर्गा अधिकारी ने आर्थिक सहायता की मांग रखी, जिस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के साथ-साथ आवास, श्रम कार्ड, बीपीएल कार्ड एवं अन्य पात्र योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित 74 आवेदन एवं शिकायतें प्राप्त हुईं इनमें आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, श्रम कार्ड, स्वास्थ्य, सोलर लाइट, गौशाला निर्माण, घेरबाड़, पेयजल, विद्युत, सड़क, मंदिर सौंदर्यीकरण सहित विभिन्न विकास कार्यों से जुड़े प्रकरण शामिल रहे। जिलाधिकारी ने अधिकांश मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं आवश्यक दवाओं का वितरण किया गया। वहीं आयुष एवं होम्योपैथिक विभाग द्वारा भी बड़ी संख्या में ग्रामीणों को निशुल्क परामर्श एवं दवाएं उपलब्ध कराई गईं।

महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग द्वारा ग्राम पंचायत मऊ की पात्र लाभार्थी दीपा देवी को मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट प्रदान की गई।

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों के माध्यम से 485 लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। ग्राम्य विकास, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास, समाज कल्याण, स्वास्थ्य, उद्यान, मत्स्य, आयुष, पूर्ति, पशुपालन, लोक निर्माण विभाग तथा अन्य विभागों द्वारा योजनाओं की जानकारी, प्रमाण-पत्रों का निर्गमन, खाता-खतौनी संबंधी सेवाएं एवं अन्य जनोपयोगी सुविधाएं मौके पर उपलब्ध कराई गईं।

मुख्य कृषि अधिकारी धनपत कुमार ने किसानों से प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ उठाने तथा जिन किसानों की फार्मर आईडी नहीं बनी है, उन्हें शीघ्र बनवाने की अपील की। शिविर के दौरान ग्राम पंचायत पुनियाल के चन्दन सिंह सामंत ने मऊ से गंगाली तक सड़क सुधार एवं डामरीकरण, सोलर लाइट, पेयजल व्यवस्था तथा फसलों की सुरक्षा के लिए घेरबाड़ की मांग रखी। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसी प्रकार दीपक सिंह बिष्ट ने क्षतिग्रस्त जनता मिलन केंद्र के सुधारीकरण तथा केशवी देवी ने राजकीय विद्यालय में फर्श, खिड़की एवं दरवाजों की मरम्मत की मांग रखी, जिस पर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। ब्लॉक प्रमुख श्रीमती सीमा आर्या ने सेवा पखवाड़ा अभियान की सराहना करते हुए मा. मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने स्थानीय लोगों से विभिन्न विभागीय स्टॉलों के माध्यम से संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की। दर्जा राज्य मंत्री श्री श्याम नारायण पाण्डेय ने कहा कि मा. मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में संचालित सेवा पखवाड़ा अभियान के माध्यम से प्रशासन गांव-गांव पहुंचकर लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध करा रहा है। इससे आमजन को अपने क्षेत्र में ही विभिन्न सरकारी सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ सहजता से प्राप्त हो रहा है। कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा कार्यकारिणी सदस्य श्री सतीश पाण्डेय, प्रदेश मंत्री भाजपा श्री निर्मल सिंह माहरा, मुख्य विकास अधिकारी डॉ जीएस खाती, उपजिलाधिकारी श्रीमती नीतू डांगर, मुख्य कृषि अधिकारी श्री धनपत कुमार, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

नए पदाधिकारियों की घोषणा एवं पहचान पत्र वितरित

देहरादून। मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय संगठन की बैठक चकराता रोड स्थित बिंदाल पुल के समीप बीकानेर वाला में आयोजित की गई। बैठक में संगठन की गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों

तथा संगठन के विस्तार को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर संगठन के सदस्यों को पहचान पत्र (आईडी कार्ड) भी वितरित किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यमंत्री अशोक वर्मा रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तराखंड जैन समाज के अध्यक्ष सुखमाल जैन , संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सचिन जैन एवं संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील अग्रवाल उपस्थित रहे। संचालन प्रदेश अध्यक्ष मधु जैन एवं प्रदेश सलाहकार अनिल वर्मा ने संयुक्त रूप से किया। बैठक के दौरान संगठन से जुड़े नए सदस्यों का स्वागत किया गया। प्रदेश उपाध्यक्ष संदीप जैन ने सभी अतिथियों एवं सदस्यों का स्वागत किया। इस अवसर पर संगठन के महानगर एवं प्रदेश स्तर पर विभिन्न दायित्वों की घोषणा भी की गई तथा सभी पदाधिकारियों और सदस्यों से संगठन को सक्रिय एवं सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य करने का आह्वान किया गया। मुख्य अतिथि अशोक वर्मा ने सभी सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में निरंतर प्रगति करेगा और सभी सदस्य अपने कार्यों से संगठन का नाम नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। संगठन के अध्यक्ष सचिन जैन ने कहा कि संगठन हमेशा सामाजिक कार्यों के माध्यम से जरूरतमंद लोगों की सहायता करता आया है और आगे भी करता रहेगा। उन्होंने कहा कि समाजहित में प्रभावी कार्य करने के लिए शासन-प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय एवं संवाद बनाए रखना आवश्यक है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान सामाजिक परिस्थितियों को देखते हुए युवाओं को सही दिशा देने के लिए ऐसे जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों के साथ-साथ अभिभावकों को भी जागरूक करना समय की आवश्यकता है। बैठक में सुखमाल जैन को संगठन का संरक्षक तथा रचना जैन को महानगर अध्यक्ष नियुक्त किए जाने की घोषणा की गई। इस अवसर पर जिन सदस्यों को पहचान पत्र प्रदान किए गए, उनमें अजय जैन, शब्दावली कौशिक, राकेश जैन, डॉ. दिनेश शर्मा, संदीप जैन, प्रदीप नागलिया, विपिन आहूजा, अरुणा चावला, गीता वर्मा, अनिल वर्मा, मेजर प्रेमलता वर्मा, समता ग्रोवर, तनुजा सिंह, अनिल जैन, पी.सी. वर्मा, गौरव वर्मा, अरविंद महाजन, घनश्याम चंद्र जोशी एवं मधु आहूजा प्रमुख रूप से शामिल रहे।

शिक्षा मंत्री डॉ. रावत ने किया नि:शुल्क नोटबुक योजना का शुभारम्भ

देहरादून। उत्तराखण्ड सरकार द्वारा विद्यालयी शिक्षा को सुदृढ़ एवं छात्र-हितैषी बनाने के उद्देश्य से संचालित 'गेम चेंजर योजना' (नि:शुल्क नोटबुक वितरण योजना) का शुभारंभ आज पीएम-श्री राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, राजपुर रोड़ में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि राज्य के राजकीय एवं राजकीय सहायता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को नि:शुल्क नोटबुक उपलब्ध कराकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को और अधिक सुलभ एवं प्रभावी बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रत्येक विद्यार्थी को आवश्यक अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराकर शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि जनपद देहरादून में लगभग 4.70 लाख नोटबुक वितरित की जाएंगी, जबकि प्रदेशभर में लगभग 35 लाख नोटबुक विद्यार्थियों तक पहुंचाई जाएंगी। योजना के अंतर्गत कक्षा 1 एवं 2 के विद्यार्थियों को 1-1 नोटबुक, कक्षा 3 से 5 तक के विद्यार्थियों को 3-3 नोटबुक तथा कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों को 5-5 नोटबुक उपलब्ध कराई जाएंगी। विभागीय मंत्री डा. रावत ने इस दौरान विभागीय अधिकारियों, विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था को अधिक आधुनिक, समावेशी एवं विद्यार्थी-केंद्रित बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्य सचिव ने की पर्यटन विभाग की समीक्षा

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने मंगलवार को सचिवालय स्थित अपने सभागार में पर्यटन विभाग की समीक्षा की। उन्होंने पर्यटन विभाग की सभी योजनाओं पर विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पर्यटन उत्तराखण्ड की आर्थिकी के महत्त्वपूर्ण स्रोतों में से एक है। उन्होंने पर्यटन विभाग को अपने 5 वर्षों के लिए लक्ष्य निर्धारित किए जाने के निर्देश दिए, ताकि आउटकम इंडीकेटर्स के लक्ष्यों को हासिल किया जा सके। मुख्य सचिव ने अपने प्रोडक्ट्स के प्रचार प्रसार के लिए भी विशेष प्रयास किए जाने के निर्देश दिए। कहा कि प्रोडक्ट की पब्लिसिटी के बिना निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करना आसान नहीं होगा। उन्होंने पब्लिसिटी के लिए भी वार्षिक कार्ययोजना तैयार किये जाने की बात कही। कहा कि नीती घाटी में आयोजित की गयी नीती एक्स्ट्रीम अल्ट्रा रन 2026, आदि कैलाश हाई एल्टीट्यूड मैराथन, रिवर राफ्टिंग फेस्टिवल्स और विंटर कार्निवल जैसे इवेंट्स को अन्य स्थानों पर इस प्रकार के अलग-अलग इवेन्ट्स के रूप में प्रत्येक वर्ष एक निश्चित समय पर आयोजित किया जाए। ऐसे इवेंट पब्लिसिटी के साथ-साथ टूरिस्ट्स के लिए आकर्षण का केन्द्र बनते हैं।

मुख्य सचिव ने पर्यटन की दृष्टि से प्रदेश के लिए शॉर्ट टर्म, मीडियम टर्म और लॉंग टर्म योजना तैयार किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्यटन सर्किट और डेस्टिनेशन बनाने के साथ-साथ जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने पर ध्यान दिया जाए। साथ ही, हॉस्पिटैलिटी व पर्यटन प्रोजेक्ट्स में प्राइवेट सेक्टर के निवेशकों को भी शामिल किया जाए। प्रदेश में लगातार नए पर्यटन स्थल विकसित किए जाएं। कहा कि समावेशी और टिकाऊ पर्यटन विकास को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, ताकि पूरे राज्य में संतुलित विकास हो सके। मुख्य सचिव ने प्रदेश के युवाओं को गाईड प्रशिक्षण दिए जाने की दिशा में कार्य किए जाने की बात कही। कहा कि इसे इंस्टीट्यूशनल किया जाए। आईएचएम को इसके लिए प्रयोग किया जा सकता है। प्रशिक्षण मॉड्यूल इस प्रकार से तैयार किए जाएं कि प्रशिक्षित युवाओं को प्रदेश के साथ-साथ, पूरे भारत और ओवरसीज में कहीं भी रोजगार मिल सके। उन्होंने वाईब्रेंट विलेज के लिए भी विशेष प्रयास किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में ग्लैंपिंग प्रोजेक्ट्स की काफी डिमांड है। उन्होंने इसके लिए स्थान चिन्हित कर ग्लैंपिंग प्रोडक्ट विकसित किए जाने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर सचिव धीराज गर्ब्याल एवं अपर सचिव अभिषेक रोहिला सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

बहुउद्देशीय शिविर में कैबिनेट मंत्री ने सुनी जन समस्याएं, अधिकांश का मौके पर निस्तारण

मसूरी। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने आज मसूरी स्थित राधा कृष्ण मंदिर परिसर में सेवा, सुशासन एवं समर्पण श्जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार (सेवा पखवाड़ा)श कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन कर संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को लाभ सामग्री वितरित की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है और सेवा पखवाड़ा इसी संकल्प को साकार करने का माध्यम है।

शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे क्षेत्रवासियों की समस्याओं को सुनते हुए कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया तथा शेष मामलों के त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र में जो पेड़ सूख चुके हैं अथवा लोगों के लिए खतरा बने हुए हैं, उनकी प्राथमिकता के आधार पर लॉपिंग एवं आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना की आशंका न रहे। उन्होंने समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को दो दिन मसूरी में कैंप लगाकर पात्र लोगों को योजना का लाभ प्रदान करने के निर्देश दिए।कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की फाइल लंबित नहीं रहनी चाहिए। अधिकारी समयबद्ध तरीके से प्रकरणों का निस्तारण सुनिश्चित करें तथा आमजन को अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और डबल इंजन सरकार के संकल्प के साथ इन पाँच वर्षों में उत्तराखंड में विकास एवं सांस्कृतिक अस्मिता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में समान नागरिक संहिता (यूसीसी), सशक्त नकल विरोधी कानून, धर्मांतरण विरोधी कानून, सशक्त भू-कानून तथा देश में नई मिसाल कायम करते हुए मदरसा बोर्ड को समाप्त कर उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण का गठन जैसे ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं।कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि युवाओं के लिए पारदर्शी भर्ती व्यवस्था सुनिश्चित की गई है तथा मातृशक्ति को सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण प्रदान किया गया है। राज्य में निवेश, रोजगार, बेहतर कनेक्टिविटी तथा चारधाम सहित धार्मिक एवं पर्यटन अवसंरचना के विकास को नई गति मिली है। उन्होंने कहा कि पूर्ण पारदर्शिता के साथ 34 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी सेवाओं में अवसर प्रदान किए गए हैं। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष मीरा सकलानी, मंडल अध्यक्ष रजत अग्रवाल, मोहन पेटवाल, सतीश ढौंढियाल, कुशाल राणा, सभासदगण सभी विभागों के अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार.....

विशेष विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

चम्पावत। जिला जज एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चम्पावत अनुज कुमार संगल के निर्देशानुसार बुधवार को विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर एक विशेष विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री भवदीप रावते की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसीटी), चम्पावत में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम के सफल संचालन में आर०सी०टी० के निदेशक श्री प्रांशु मैठानी का विशेष सहयोग रहा, जबकि कार्यक्रम का संचालन श्री प्रकाश चन्द्र जोशी द्वारा किया गया। जागरूकता अभियान में चम्पावत तहसील के पराविधिक स्वयंसेवकों (पीएलवी) ने भी प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री भवदीप रावते ने उपस्थित युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि आज का युवा वर्ग ही देश का भविष्य है। उन्होंने इस बात पर विशेष जोर दिया कि युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जहां एक ओर तकनीकी और व्यावहारिक कौशल का होना अत्यंत आवश्यक है, वहीं दूसरी ओर बुनियादी कानूनी अधिकारों की जानकारी होना भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने युवाओं से अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने की अपील की। आयोजन के दौरान उपस्थित पी०एल०वी० सदस्यों ने भी अपने-अपने स्तर से स्थानीय लोगों को विभिन्न कानूनी और विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चम्पावत की ओर से उपस्थित लोगों को जागरूक करने और कानूनी जानकारियां साझा करने के उद्देश्य से विभिन्न सूचनाप्रद पैम्फलेट्स भी वितरित किए गए।

अग्नि सुरक्षा को लेकर फायर टीमें कर रही फायर ऑडिट

पौड़ी। अग्नि दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं जनसुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जनपद में फायर सर्विस की टीमें लगातार फायर ऑडिट एवं फायर रिस्क निरीक्षण अभियान संचालित कर रही हैं। इसी क्रम में आज प्रभारी अग्निशमन अधिकारी श्रीनगर के नेतृत्व में फायर यूनिट श्रीनगर द्वारा मंथरम एकेडमी, लक्ष्य कोचिंग संस्थान, सरस्वती कोचिंग सेंटर, वेदांता कोचिंग सेंटर तथा विशाल मेगा मार्ट का संयुक्त फायर ऑडिट एवं फायर रिस्क निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान संस्थानों में स्थापित प्राथमिक अग्निशमन उपकरणों, अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं, आपातकालीन निकास मार्गों, विद्युत सुरक्षा तथा अन्य आवश्यक सुरक्षा मानकों का गहन परीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिन स्थानों पर कमियां पाई गईं, उन्हें शीघ्र दूर करने हेतु संबंधित संस्थानों के स्वामी एवं प्रबंधकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही उपस्थित स्टाफ को प्राथमिक अग्निशमन उपकरणों के सुरक्षित एवं प्रभावी उपयोग, आग लगने की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया, सुरक्षित निकासी तथा आपदा के समय अपनाई जाने वाली आवश्यक सावधानियों के संबंध में व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं आवश्यक जानकारी प्रदान कर जागरूक किया गया।

90 के दशक में आई गोविंदा की बेस्ट फिल्मों में से एक थी दूल्हे राजा

नई दिल्ली। दुल्हे राजा 1998 की हर्मेश मल्होत्रा द्वारा निर्देशित हिन्दी भाषा की हास्य फिल्म है। इसमें गोविन्दा, रवीना टंडन, कादर खघन, जॉनी लीवर, प्रेम चोपड़ा और असरानी हैं। के के सिंघानिया (कादर खघन) पी के दीवानी (दिनेश हिंगू) से एक महंगा होटल ष्महाराजा इंटरनेशनलष खरीदते हैं। बाद में, सिंघानिया को पता चलता है कि होटल के परिसर के अंदर एक ढाबा एक राजा (गोविन्दा) नाम के आदमी द्वारा चलाया जाता है जो होटल की कमाई के लिए नुकसानदायक है। राजा के ढाबा को हटाने के लिए सिंघानिया द्वारा उपयोग की जाने वाली हर चाल विफल होती है। सिंघानिया की बेटी राणी(रवीना टंडन) राहुल (मोहनीश बहल) नाम के एक आदमी से प्यार करती है। राहुल को आर्थिक रूप से एक सहयोगी बिश्ंबर नाथ (प्रेम चोपड़ा) द्वारा सहायता दी जाती है। उसी समय, राजा राणी सिंघानिया को पसंद करने लगता है।

दूल्हे राजा 1998 की भारतीय हिंदी भाषा की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, जिसमें गोविंदा , रवीना टंडन , कादर खान , जॉनी लीवर , प्रेम चोपड़ा और असरानी ने अभिनय किया है । के.के. सिंघानिया, एक दिग्गज व्यवसायी, पी.के. दीवानी से एक महंगा पांच सितारा होटल ष्महाराजा इंटरनेशनलष खरीद लेते हैं। बाद में, सिंघानिया को पता चलता है कि होटल परिसर के अंदर राजा नाम के एक छोटे-मोटे व्यापारी द्वारा चलाया जा रहा ढाबा होटल की कमाई में बाधा बन रहा है। सिंघानिया राजा के ढाबे को हटवाने के लिए कई हथकंडे अपनाते हैं, लेकिन हर बार राजा उन्हें मात दे देता है।

सिंघानिया की बेटी किरण राहुल नाम के एक युवक से प्रेम करती है। राहुल को उसके सहयोगी बिशंबर नाथ से आर्थिक सहायता मिलती है। हालांकि, सिंघानिया जानता है कि राहुल एक धूर्त व्यक्ति है जिसका मकसद युवतियों को बहला-फुसलाकर उनके धन का दोहन करना और फिर उन्हें छोड़ देना है। वह किरण को राहुल से शादी न करने की चेतावनी देता है। वह कहता है कि किरण किसी भी पुरुष से शादी कर सकती है, चाहे वह गरीब हो या सिंघानिया का दुश्मन, राहुल को छोड़कर।

इसी बीच, राजा किरण के प्रति आकर्षित हो जाता है। राजा, जो पहले से ही सिंघानिया के लिए कांटा बना हुआ है, सिंघानिया के सामने किरण के प्रति अपने प्रेम का इजहार करता है। वह लगातार सिंघानिया से किरण का हाथ मांगता है, लेकिन सिंघानिया उसे ठुकरा देता है। किरण को पता चलता है कि सिंघानिया राजा को अपना सबसे बड़ा दुश्मन मानता है। वह राजा के साथ झूठा प्रेम संबंध शुरू कर देती है और उसका स्नेह प्राप्त कर लेती है।

किरण की योजना तब सफल हो जाती है जब सिंघानिया राजा का विरोध करता है। राजा हर मोड़ पर सिंघानिया को नाकाम कर देता है। सिंघानिया अपनी बेटी की शादी अपने दोस्त के बेटे से करने का फैसला करता है और उसकी जन्मदिन की पार्टी में सगाई की घोषणा करने की योजना बनाता है। हालांकि, राजा पार्टी में बिन बुलाए पहुँच जाता है और सिंघानिया की योजना को विफल कर देता है।

पार्टी में किरण राजा से कहती है कि यह सब राहुल से शादी करने का बहाना था। राजा उसे राहुल के असली इरादों के बारे में आगाह करता है और सिंघानिया का साथ देता है। सिंघानिया यह बातचीत सुन लेता है और घोषणा करता है कि वह अपनी बेटी की शादी उससे कर देगा। किरण राहुल के घर के लिए निकल पड़ती है, और राहुल को सिंघानिया की सारी संपत्ति हथियाने का सुनहरा मौका मिल जाता है क्योंकि अब उसकी बेटी उसकी हिरासत में है। वह किरण पर हमला करता है, उसे अपने घर में कैद कर लेता है और फोन पर सिंघानिया से अपनी बेटी की जान के बदले उसकी सारी संपत्ति और जायदाद की मांग करता है। राजा को राहुल की नापाक योजना का पता चलता है और वह किरण को बचाने का फैसला करता है। वह सिंघानिया के साथ मिलकर बिशंबर की संपत्ति हड़पने की साजिश रचता है। वह राहुल के घर पहुँचता है और उसे तथा उसके साथियों को आपस में दुश्मनी मोल लेने के लिए उकसाता है। सिंघानिया की सारी संपत्ति पाकर खुश बिशंबर बिना पढ़े ही कागजातों पर हस्ताक्षर कर देता है, लेकिन बाद में उसे पता चलता है कि वे संपत्ति के कागजात नहीं हैं, बल्कि किरण के अपहरण और उसकी जान को धमकी देने का उसका कबूलनामा है। उसके आदमी उसका सामान छीन लेते हैं, तभी पुलिस आती है और राहुल, बिशंबर और उनके साथियों को गिरफ्तार कर लेती है।

90 के दशक में आई गोविंदा की बेस्ट फिल्मों में से एक ये थी। दूल्हे राजा। इसके बाद से गोविंदा एक ऐसी फिल्म के लिए तरस गए जो उनकी सोलो हिट हो। कह सकते हैं कि यहां से गोविंदा का स्टारडम नीचे आना शुरू हो गया था। पांच करोड़ रुपए इस फिल्म का बजट था। और नेट कमाई की थी इस फिल्म ने 12 करोड़ 74 लाख रुपए, जैसा कि बॉक्स ऑफिस इंडिया के डेटा में बताया गया है। दूल्हे राजा हिट साबित हुई थी। हरमेश मल्होत्रा इस फिल्म के डायरेक्टर-प्रोड्यूसर थे। संगीत दिया था आनंद-मिलिंद ने। और गीत लिखे थे समीर ने। इस फिल्म का गीत श्आँखियों से गोली मारेश बहुत हिट हुआ था। हरमेश मल्हौत्रा ने इसी गीत के नाम पर एक और फिल्म बनाई थी बाद में। उसमें भी लगभग वही कास्ट थी जो दूल्हे राजा में थी। मगर वो फिल्म इसके जैसी नहीं थी। बहुतों को बहुत पसंद है वो फिल्म। मगर वास्तव में एकदम वाहियात है वो। दूल्हे राजा के राइट्स अब शाहरुख खान की कंपनी रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के पास हैं। कुछ साल पहले तक तो ये खबर आई थी कि शाहरुख ने इस फिल्म के रीमेक की तैयारी भी शुरू कर दी हैं। और शाहरुख किसी नए हीरो को लेकर ये फिल्म बनाने वाले हैं। शाहरुख ने फरहाद सामजी को नई दूल्हे राजा का स्क्रीनप्ले लिखने का काम भी सौंप दिया है। फरहाद सामजी फ्री होते ही दूल्हे राजा पर काम शुरू करने जा रहे हैं। मगर फिर उस फिल्म का क्या हुआ, कुछ पता नहीं चला। उस वक्त बताया गया था कि दूल्हे राजा के डिजिटल राइट्स भी अब रेड चिलीज के पास होंगे। यानि टीवी चौनलों को इस फिल्म के प्रसारण के लाइसें रिन्यूअल के लिए अब रेड चिलीज से बात करनी होगी।

मुंबई की महंगाई ने आलोक नाथ को चरित्र अभिनेता बना दिया

नई दिल्ली। आलोक नाथ भी हीरो बनना चाहते थे। हीरो बनने का ख्वाब लेकर ही वो मुंबई आए भी थे। लेकिन मुंबई की महंगाई ने आलोक नाथ को चरित्र अभिनेता बना दिया। वैसे, एक फिल्म थी जिसमें आलोक नाथ ने हीरो का किरदार निभाया था। वो फिल्म थी साल 1987 में आई कामाग्नी।

और जानते हैं इस फिल्म में आलोक नाथ की हीरोइन कौन थी? टीना मुनीम, जो अब टीना अंबानी हो चुकी हैं। जैसा कि इस फिल्म के नाम से ही जाहिर होता है, इसमें टीना मुनीम के साथ थोड़े हॉट दृश्य भी थे आलोक नाथ के। मगर ये फिल्म फ्लॉप हो गई। और आलोक नाथ ने मान लिया कि इनकी किस्मत में हीरो बनना है ही नहीं। आलोक नाथ ने तय किया कि ये चरित्र किरदार ही निभाएंगे। कम से कम इससे उनके पास काम तो रहेगा। और काम रहेगा तो हाथ में पैसा भी आता रहेगा। आलोक नाथ का ये फैसला एकदम सही साबित हुआ। फिल्मों में तो इन्होंने चरित्र किरदार निभाए ही, टीवी पर भी खूब काम किया। और चरित्र किरदार ही इन्होंने टीवी पर भी निभाए। इनके करियर में सबसे बड़ी और अनोखी बात ये रही कि इन्होंने अपनी वास्तविक उम्र से ज्यादा उम्र वाले किरदार निभाए। यानि ये या तो प्रौढ़ या वृद्ध पुरुष के किरदारों में ही ज्यादातर नजर आते थे। लोगों ने भी आलोक नाथ जी को इन रूपों में पंसद किया। इन्हीं से मशहूर भी हुए थे। आज आलोक नाथ जी का जन्मदिन है।

10 जुलाई 1956 को आलोक नाथ पैदा हुए थे। इनके बारे में लोग कहते हैं कि ये बिहार के खगड़िया में जन्मे थे। लेकिन ये बात एकदम गलत है। ये खगड़िया में नहीं, दिल्ली में जन्मे थे। हां, इनका परिवार जरूर मूलरूप से खगड़िया का रहने वाला था। लेकिन आलोक नाथ जी का जन्म व परवरिश दिल्ली में हुई थी। पूरा नाम है इनका आलोक नाथ झा। आलोक नाथ जी के पिता डॉक्टर थे। और चाहते थे कि आलोक भी उनकी तररह डॉक्टर बनें। मगर आलोक नाथ बचपन से ही एक्टिंग के शौकीन थे। स्कूल के दिनों से ही आलोक नाथ जी ने स्टेज पर अभिनय शुरू कर दिया था।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने किया जयप्रकाश नारायण पुस्तकालय का लोकार्पण

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में जयप्रकाश नारायण सार्वजनिक पुस्तकालय का लोकार्पण किया। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता, दिल्ली सरकार में मंत्री श्री प्रवेश वर्मा, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (NDMC) के अध्यक्ष श्री केशव चंद्र सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि किसी देश का भविष्य कृषि, बाजार या उद्योग से नहीं, बल्कि उसके पुस्तकालयों में जुटने वाली युवाओं की भीड़ से तय होता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र को आगे बढ़ाने वाली, राष्ट्र-निर्माण और राष्ट्र को वैभव दिलाने वाली सारी गतिविधियों का मूल ज्ञान एवं विवेक में होता है। यह ज्ञान सिर्फ एक पुस्तकालय ही दे सकता है। श्री अमित शाह ने युवा पीढ़ी से अपील की कि वे एक बार पुस्तकालय से अवश्य जुड़ें। पढ़ने की आदत बनते ही अच्छे-बुरे का विवेक स्वयं जाग जाएगा। गृह मंत्री ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि जिस छोटे से कस्बे में वह पैदा हुए और उनका बचपन बीता, वहाँ एक समृद्ध पुस्तकालय था। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय के माध्यम से कब उनकी अध्ययन यात्रा वेदों और उपनिषदों तक पहुंच गई, उन्हें पता नहीं चला। केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि आज सभागार में उन्होंने एक वाक्य लिखा देखा कि "बोलने से पहले सोचना चाहिए, क्योंकि शब्द कभी वापस नहीं आते।" उन्होंने कहा कि कोई भी वाक्य बोलने से पहले सोचना चाहिए और सोचने से पहले पढ़ना चाहिए कि क्या सोचना है, और यह संस्कार सिर्फ पुस्तकालय से ही मिल सकता है।श्री अमित शाह ने कहा कि पुस्तकालय का उनके जीवन में बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि अपने संसदीय क्षेत्र में उन्होंने एक छोटा सा प्रयोग किया है। उनके संसदीय क्षेत्र के लगभग हर गाँव में एक पुस्तकालय खोला गया है, जिनमें लगभग 3-4 हजार पुस्तकें हैं। इन पुस्तकालयों को मुख्य पुस्तकालय से लिंक किया गया है, जिसमें सवा लाख पुस्तकें हैं। इसके अलावा, चार मोबाइल वैन भी चलाई गई हैं। उन्होंने कहा कि गांवों के बच्चे पुस्तकालय में अपनी पसंद की पुस्तक का नाम लिख कर उसे मँगवाने का अनुरोध करते हैं, और हर शुक्रवार के दिन बच्चों को उनकी पसंद की पुस्तक गांव में ही उपलब्ध कर दी जाती है। उन्होंने कहा कि हमने हर पुस्तकालय को स्कूलों से जोड़ने का प्रयास किया है। गृह मंत्री ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नाम से समर्पित यह पुस्तकालय युवाओं के ज्ञान और चिंतन का नया केंद्र बनेगा। उन्होंने दिल्ली सरकार से आग्रह किया कि वह दिल्ली के सभी पुस्तकालयों को आपस में लिंक करें और स्कूलों को इनसे जोड़ने के लिए एक ठोस योजना बनाएं। उन्होंने कहा कि एक कार्ययोजना बनाकर पुस्तक प्रेमियों को पुस्तकालयों से जोड़ने का प्रयास होना चाहिए। उन्होंने जयप्रकाश नारायण सार्वजनिक पुस्तकालय के कर्मियों से भी आग्रह किया कि वे नई दिल्ली के आसपास के 10 विधानसभा क्षेत्रों के सभी स्कूलों से संपर्क कर युवाओं को पुस्तकालय से जोड़ें और उन्हें यहाँ आने के लिए प्रेरित करें। एक बार जब युवा पढ़ने की आदत बना लेंगे, तो वह स्वयं आगे बढ़ेंगे। केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि पुस्तकालय ज्ञान सागर में गोता लगाने का साहस देता है और सागर के नीचे पड़े मोतियों व रत्नों को चुनकर ऊपर लाने की प्रेरणा भी देता है। ज्ञान सागर के गोते से निकले ये मोती और रत्न ही व्यक्तित्व को निखारते हैं, देश को आगे बढ़ाते हैं, देश को समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाते हैं, देश को संस्कारित, शिक्षित और सुरक्षित बनाते हैं। उन्होंने कहा कि साहित्यकार रामधारी सिंह 'दिनकर' जी को पढ़े बिना इस देश की आत्मा, संस्कृति, स्वाभिमान और संघर्ष को नहीं जाना जा सकता, और पुस्तकालय इसमें सबसे मजबूत जरिया बन सकता है।

गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि जयप्रकाश नारायण सार्वजनिक पुस्तकालय भवन में 30,000 से अधिक पुस्तकों का संग्रह है। यहां रिसर्च करने वालों के लिए अलग व्यवस्था है, बहुउद्देशीय आधुनिक सभागार है, आधुनिक रीडिंग एरिया है, किड्स जोन है, रिसर्च सेंटर है और ई-लाइब्रेरी है, जिसमें 1 करोड़ पुस्तकें ऑनलाइन पढ़ी जा सकती हैं। वाई-फाई फ्री है। कई मॉनिटर लगाए गए हैं, जहां पुस्तकालय में अध्ययन के लिए आने वाले लोग नोट्स ले सकते हैं, डाउनलोड कर सकते हैं और अपनी विचार प्रक्रिया को आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा कि यहाँ आरएफआईडी आधारित अत्याधुनिक पुस्तक प्रबंधन प्रणाली लागू है। ओपेक कैटलॉग के माध्यम से नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी ऑफ इंडिया से भी जुड़ाव होगा। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय में युवा अपनी रुचि के विषय चुनें और उन महानुभावों को पढ़ें, जिन्होंने अपना पूरा जीवन उन विषयों पर लगाया है। उन्होंने कहा कि इस पुस्तकालय में 1 करोड़ ई-बुक्स उपलब्ध हैं। यह दिल्ली के युवाओं के लिए बहुत बड़ा अवसर है कि उन्हें मुफ्त में 1 करोड़ ई-बुक्स और 32,000 भौतिक पुस्तकों का एक्सेस होगा। श्री अमित शाह ने कहा कि जयप्रकाश नारायण (जेपी) एक ऐसे विचारक और क्रांतिकारी थे, जिन्होंने जीवन में अनेक विचारधाराओं को अपनाया और हर क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने का प्रयास किया। वे भारत छोड़ो आंदोलन के प्रमुख सेनानी थे। आजादी के बाद उन्होंने सरकार में शामिल होने से इनकार कर दिया। समाजवाद अपनाया, समाजवादी कांग्रेस बनाई, विनोबा भावे के भूदान आंदोलन और सर्वोदय विचारधारा को गांव-गांव तक फैलाया। चंबल क्षेत्र में 250 से अधिक डाकुओं को सरेंडर कराया और चार राज्यों के 22 जिलों में डकैती की समस्या समाप्त की। श्री शाह ने कहा कि इमरजेंसी के समय जेपी ने तत्कालीन प्रधानमंत्री का डटकर विरोध किया, बिहार-गुजरात में छात्र आंदोलनों का नेतृत्व किया और 'संपूर्ण क्रांति' का आह्वान दिया। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान जेपी, अटल जी, अडवाणी जी सहित हजारों नेताओं को जेल में डाला गया। तब दिनकर जी का नारा "अंधेरे में एक प्रकाश, जयप्रकाश" पूरे देश में गूंजा। 1977 के चुनाव में तत्कालीन प्रधानमंत्री रायबरेली से हारीं और पहली बार गैर-कांग्रेसी सरकार बनी। उन्होंने कहा कि जेपी ने पूरी जिंदगी लोकतंत्र की रक्षा की। गृह मंत्री ने दिल्ली के सभी किशोरों और युवाओं से अपील की कि वे ज्ञान की पिपासा तृप्त करने के माध्यम के रूप में शुरू किए गए जयप्रकाश नारायण सार्वजनिक पुस्तकालय का पूरा लाभ उठाएं।

ब्रिक्स देशों के बीच मजबूत सहयोग का आह्वान किया

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने आज सतत, लचीली, समावेशी और भविष्य के लिए तैयार परिवहन प्रणालियों के निर्माण के लिए ब्रिक्स देशों के बीच गहरे सहयोग का आह्वान किया और कहा कि समूह की सामूहिक शक्ति नवाचार, साझेदारी और साझा जिम्मेदारी के माध्यम से वैश्विक परिवहन के भविष्य को आकार देने का एक अनूठा अवसर प्रदान करती है। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता में आयोजित तीसरे ब्रिक्स परिवहन मंत्रियों की बैठक में उद्घाटन भाषण देते हुए श्री गडकरी ने नागपुर में ब्रिक्स सदस्य देशों के परिवहन मंत्रियों, प्रतिनिधि मंडलों के प्रमुखों, वरिष्ठ अधिकारियों और प्रतिनिधियों का स्वागत किया और बैठक को उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच परिवहन सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता, जिसका विषय ष्लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माणष है, श्वसुधैव कुटुंबकमश ख़ अर्थात विश्व एक परिवार है, के शाश्वत दर्शन से प्रेरित एक जन-केंद्रित, ष्मानवता सर्वोपरिष दृष्टिकोण को दर्शाती है।

उन्होंने कहा कि ब्रिक्स विश्व की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। यह स्वच्छ, सुरक्षित, स्मार्ट और अधिक कुशल परिवहन प्रणालियों के विकास का नेतृत्व करने के साथ-साथ सतत आर्थिक विकास और क्षेत्रीय संपर्क को बढ़ावा देने में सक्षम है। परिवहन को आर्थिक विकास की रीढ़ बताते हुए श्री गडकरी ने सड़क, रेल, समुद्री और विमानन क्षेत्रों में भारत के तीव्र विकास के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि भारत ने विश्व का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क विकसित किया है साथ ही पहुंच-निर्यात्रित एक्सप्रेसवे और बहुआयामी संपर्क का भी व्यापक विस्तार किया है। दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारा, सोनमर्ग सुरंग और 10,000 किलोमीटर से अधिक ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे जैसी परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ये पहलें बुनियादी ढांचे के विकास को पर्यावरणीय स्थिरता और तकनीकी नवाचार के साथ जोड़ने की भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

उन्होंने हाइब्रिड एनयूटी मॉडल को बुनियादी ढांचे में निजी निवेश जुटाने का एक सफल ढांचा बताया। श्री गडकरी ने कहा कि ब्रॉड-गेज नेटवर्क के लगभग पूर्ण विद्युतीकरण, वंदे भारत सेवाओं के विस्तार, मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की प्रगति और नए पंबन ब्रिज जैसी ऐतिहासिक इंजीनियरिंग से भारत के रेलवे का अभूतपूर्व आधुनिकीकरण हुआ है। उन्होंने समुद्री बुनियादी ढांचे और रसद दक्षता को मजबूत करने की दिशा में उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों के रूप में मैरीटाइम अमृत काल विजन 2047, ई-नाविक और ई-समुद्र जैसी डिजिटल पहलों और ग्रीन शिपिंग पहल के बारे में भी बताया। भारत की सतत परिवहन के प्रति प्रतिबद्धता का उल्लेख करते हुए श्री गडकरी ने इलेक्ट्रिक बसों, ग्रीन अर्बन मोबिलिटी स्कीम और क्षेत्रीय हवाई संपर्क को बेहतर बनाने में उड़ान पहल की सफलता के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मुख्य योजना ने एकीकृत बहुआयामी विकास के माध्यम से अवसंरचना नियोजन में क्रांति ला दी है जिससे रसद लागत में कमी आई है और परियोजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी आई है। केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षा और सतत विकास भारत की परिवहन नीति के केंद्र में हैं। उन्होंने सड़क दुर्घटना पीड़ितों के नकद रहित उपचार के लिए पीएम-राहत योजना और सड़क निर्माण में पुनर्चक्रित प्लास्टिक कचरा, नगरपालिका कचरा, फ्लाई ऐश, स्टील स्लैग, बांस के क्रैश बैरियर और पुराने टायरों के उपयोग जैसी पहलों को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार अवसंरचना विकास के उदाहरण बताए। श्री गडकरी ने ब्रिक्स सहयोग को और मजबूत करने का आह्वान करते हुए कहा कि बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण समाधान की आवश्यकता है।

स्वामी एवं प्रकाशक मौ. वसी के लिये मुद्रक नुसरत निशान खान द्वारा कौमी गुलदस्ता प्रिंटर्स, विलेज आमवाला, पोस्ट घंघौरा, देहरादून द्वारा, उत्तराखण्ड-248141 से मुद्रित एवं 5, लेन नम्बर 2, नामदेव एन्क्लेव फेस 2, ब्राहम्णवाला, देहरादून उत्तराखण्ड- 248171 से प्रकाशित। सम्पादक-मौ. वसी,
समस्त विवाद के लिये न्याय क्षेत्र देहरादून मान्य होगा। सम्पर्क- 9411112331
हमारे अखबार के ताजा अंक को ऑनलाइन पढ़ने के लिये www.aawamindia.com वेबसाइट पर जायें।
facebook: www.facebook.com/indiaaawam, youtube:www.youtube.com/@aawamindia,
X:www.x.com/aawamindia, Instagram:https://instagram.com/aawamindia